NaiDunia (Indore), 28th October 2023, NaiDunia City, Page – I

5जी लैब टेस्टिंग के लिए...

देश की 100 लैब में एक आइआइटी इंदौर भी

भारत सरकार का दूरसंचार विभाग देश में 5जी की टेस्टिंग के लिए 100 लैब स्थापित करने जा रहा है। इनमें से एक 5जी लैब की स्थापना के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर का चयन किया गया है। यह लैब आइआइटी परिसर में तैयार की जाएगी। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नईदिल्ली स्थित भारत मंडपम में हुई इंडिया मोबाइल कांग्रेस के सातवें संस्करण के उद्घाटन अवसर पर की। इस लैब को स्थापित करने का उद्देश्य छात्रों और स्टार्टअप समुदायों में 5जी तकनीकों की क्षमता बढ़ाना है। इसके जरिए विभिन्न सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में 5जी एप्लीकेशन के विकास और प्रयोग की सुविधा मिलेगी।

इंदौर को मिलने वाली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को लेकर आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि यह जिम्मेदारी सौंपी जाना संस्थान के लिए गर्व का क्षण है।

5जी तकनीक का उद्देश्य मशीन, वस्तु और उपकरण सहित सभी चीजों को वर्चुअल रूप से कनेक्ट करना है। इसमें डेटा दरों और बेहतर सेवा की गुणवत्ता प्रमुख है, जो कि उपयोगकर्ताओं को एक अनोखा अनुभव और कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएंगे। यह बड़ी संख्या में एम्बेडेड सेंसरों को आसानी से कनेक्ट करेगा और बेहद कम लागत वाला कनेक्टिविटी समाधान प्रदान करेगा। इस लैब को स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा 80 प्रतिशत तक आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। शेष 20 प्रतिशत राशि संस्थान द्वारा वहन की जाएगी। हालांकि सरकार अगले चार वर्षों के लिए प्रक्रिया संबंधी व्यय का 100 प्रतिशत वहन करेगी।

विद्यार्थियों को मिलेगी 5जी लैब में ट्रेनिंग

5जी लैब की स्थापना के लिए संस्थान को कुछ अहर्ताएं पूरी करनी होंगी। मसलन, कम से कम 50 छात्रों और 10 संकाय सदस्यों को इसके लिए प्रशिक्षित करना होगा। आइआइटी इंदौर एडवांस्ड क्वांटम पर ध्यान केंद्रित करेगा और स्थानीय विकास में योगदान देगा। साथ ही वैश्विक स्तर पर रिसर्च इनोवेशन को

आइआइटी इंदौर कैंपस।

मध्य प्रदेश में इंदौर सहित बनेंगी कुल चार लैब

प्रदर्शित करेगा। 5जी लैब उपकरण में प्रबंधन डैशबोर्ड के साथ लैब की जरूरतों को पूरा करने के लिए 5जी एसए इंफ्रास्ट्रक्चर (मिड बैंड), 5जी सिम, डोंगल, आइओटी गेटवे, राउटर और एप्लीकेशन सर्वर शामिल होंगे। साथ ही संस्थान 5जी लैब के लिए स्थान, बिजली आपूर्ति, इंटरनेट और इंट्रानेट कनेक्टिविटी, अन्य उपकरण, तकनीकी-जनशक्ति (स्थानीय रखरखाव के लिए) आदि आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान करेगा। लैब के बन जाने से विद्यार्थियों को बड़ा लाभ होगा। वे 5जी लैब में ट्रेनिंग ले सकेंगे।

लैब में 50 छात्र और 10 संकाय सदस्यों को किया जाएगा प्रशिक्षित, स्टार्टअप्स को मिलेगी मदद

प्रदेश में बनाई जाएंगी कुल चार 5जी लैब

मध्य प्रदेश में चार 5जी लैब तैयार करने की घोषणा की गई है। इसके तहत इंदौर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), जबलपुर के पीडीपीएम इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलाजी, डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग, ग्वालियर के अटल बिहारी वाजपेयी इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलाजी एंड मैनेजमेंट और भोपाल के मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी में लैब स्थापित की जाएंगी।

लैब स्थापित करने का उद्देश्य

- 5जी तकनीक में छात्रों और शैक्षणिक समुदायों की क्षमता बढ़ाना।
- 5जी का उपयोग करने वाले छात्रों के लिए यूजी और पीजी स्तर पर प्रोजेक्ट्स को मजबूती प्रदान करना।
- भारतीय शिक्षा जगत और स्टार्टअप इकोसिस्टम को 6जी के लिए तैयार करना।
- पांच स्टार्टअप्स को दिया जाएगा लैब के उपयोग का मौका।
- 5जी से संबंधित रिसर्च करने वाले छात्र कर सकेंगे लैब का इस्तेमाल।